HMPV वायरस

[स्रोत: हिंदुस्तान टाइम्स]

चीन में **ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (HMPV)** से जुड़ी श्वसन संबंधी बीमारियों में हाल ही में हुई वृद्धि से एक अन्य महामारी की आशंका को बल मिला है।

- हालाँकि, **विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा** इस संदर्भ में किसी **नई महामारी की सूचना न** देने के साथ आपातकालीन चेतावनी या HMPV से संबंधित स्वास्थ्य संबंधी संकट की घोषणा नहीं की गई है।
- **HMPV:**
  -
  - **खोज:** इसकी **खोज वर्ष 2001 में नीदरलैंड** के शोधकर्त्ताओं ने की थी। यह **फ्लू और कोविड-19** के समान तीव्र श्वसन संक्रमण का कारण बनता है।
  - **प्रसार:** यह **चीन तक सीमित नहीं है** तथा **पूरे विश्व** में व्याप्त है। इसे एक **सामान्य** [श्वसन रोगजनक] के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इसका कोई **टीका नहीं** है।
  - **लक्षण: खाँसी, बुखार, गले में खराश एवं नाक बहना**, जो आमतौर पर **2-5 दिनों के अंदर** सामान्य हो जाते हैं।
  - **कमज़ोर समूह: इससे बच्चों, बुजुर्गों** तथा **कमज़ोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों को** [निमोनिया] जैसी जटिलताओं का सबसे अधिक खतरा है।
  - **संचरण:** HMPV **निकट संपर्क** या **दूषित सतहों** को छूने से फैलता है।
  - **मौसमी:** यह आमतौर पर **सर्दियों तथा वसंत के दौरान** फैलता है इसके साथ ही अन्य श्वसन संक्रमण जैसे **रेस्पिरेटरी सिंसिटियल वायरस (RSV)** और [इन्फ्लुएंजा] भी फैलता है।
    - HMPV **न्यूमोविरिडे समूह** से संबंधित है जिसमें **RSV**, **खसरा और मम्प्स वायरस** शामिल हैं।
  - **गंभीरता:** यद्यपि HMPV के अधिकांश मामले सामान्य होते हैं लेकिन **5-16% मामलों में ब्रोंकियोलाइटिस या निमोनिया** जैसी गंभीर स्थिति हो सकती है।

//

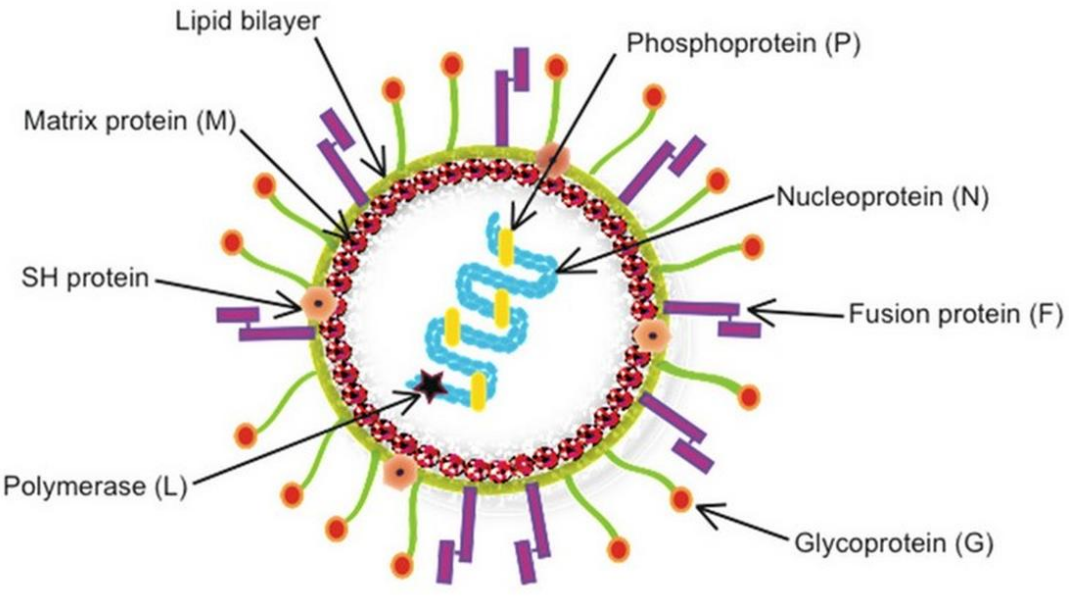

और पढ़ें: [मानव पूंजी पर कोविड-19 का प्रभाव]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/hmpv-virus